मेवाड़ विश्वविद्यालय स्थित म्यूजियम देख अतिथि हुए अभिभूत

मेवाड़ विश्वविद्यालय की आर्ट गैलरी व संग्रहालय रोचक जानकारियों से है भरपूर

चित्तौड़गढ़। दिनांक 11 मार्च शनिवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल विभाग के द्वारा आयोजित एक व्याख्यान कार्यक्रम में लूपिन लिमिटेड के डीजीएम सेल्स डॉ. हेमंत जोशी, बी. एन. फामेर्सी उदयपुर के प्रो.(डॉ.) कमल सिंह राठौड़ व अन्य वक्ता अतिथि के रूप में पधारे। इस अवसर पर उन्होंने फाइन आर्ट विभाग डीन प्रो. (डॉ) चित्रलेखा सिंह के निर्देशन में बने मेवाड़ विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग में स्थित विभिन्न संग्रहालयों व आर्ट गैलरी को देखा और अभिभूत हुए। इस अवसर पर फाइन आर्ट विभाग के ब्रांड मैनेजर अमित कुमार चेचानी बताया कि मेवाड़ विश्वविद्यालय फामेर्सी विभाग के डीन डॉ. कौशल के चंद्रूल ने

अतिथियों को प्रभाष जोशी गांधी म्यूजियम, गांधी लाईब्रेरी, मेवाड़ म्यूजियम, साइंस म्यूजियम, पेंटिंग विभाग व आर्ट गैलरी का अवलोकन कराया। अतिथियों ने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित प्रभाष जोशी गांधी म्यूजियम वाकई में काबिले तारीफ है। इस म्यूजियम में महात्मा गांधी से जुड़ी हुई अनमोल यादें व जानकारी देखने को मिलती है जिसमें पुराने अखबार, डाक टिकिट, पेंटिंग व फोटो इत्यादि शामिल हैं। उन्होंने मेवाड़ म्यूजियम को देखकर कहा कि इसमें लगी हुई मेवाड़ घराने के राजा महाराजाओं व रानियों की पेंटिंग बहुत ही आकर्षित करती है व उनकी वीरगाथाओं का वर्णन करती है साथ ही म्यूजियम में स्थित चित्तौड़गढ़ किले का मॉडल को देखकर इसांन रोमांचित हो जाता है। पेंटिंग विभाग के प्राध्यापक कलाकार ओम प्रकाश सालवी ने अतिथियों को आर्ट गैलरी का अवलोकन कराया और आर्ट गैलरी में लगी पेंटिंगों के बारे में जानकारी दी।

तेरे जैसा यार कहां... पुरानी यादों को किया ताजा

इस अवसर पर बीएन फामेर्सी उदयपुर के प्रोफेसर (डॉ.) कमल सिंह राठौड़ ने बताया कि मेवाड़ विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग के ब्रांड मैनेजर के रूप में कार्यरत अमित कुमार चेचानी जो कि उनके बचपन से दोस्त रहे हैं। चित्तौड़गढ़ में उन्होंने स्कूली शिक्षा साथ ही अर्जित की और साथ में ही खेले और उदयपुर में भी शिक्षा के दौरान साथ में रहे। उन्होंने अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए संगीत विभाग की ओर रुख किया और उन्होंने अमित से गीत की फरमाइश की। चेचानी द्वारा गाए गीत ऱतेरे जैसा यार कहाँ₹ पर सभी अतिथियों ने आनंद उठाया और झूमने लगे। इस अवसर पर संगीत विभाग के प्राध्यापक व कलाकार हरिओम गंधर्व से केसरिया बालम भी सुना और आनंदित हुए। इस अवसर पर फामेर्सी विभाग प्राध्यापक डॉ गौरव कुमार शर्मा, मंसुरी जी, गोपाल बारठ, व फाइन आर्ट विभाग के प्राध्यापक व स्टॉफ भी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय स्थित म्यूजियम देख अतिथि हुए अभिभूत

मेवाड़ विश्वविद्यालय की आर्ट गैलरी व संग्रहालय रोचक जानकारियों से है भरपूर

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल विभाग के द्वारा आयोजित एक व्याख्यान कार्यक्रम में लूपिन लिमिटेड के डीजीएम सेल्स डॉ. हेमंत जोशी, बी. एन. फार्मेसी उदयपुर के प्रो.(डॉ.) कमल सिंह राठौड़ व अन्य वक्ता अतिथि के रूप में पधारे। इस अवसर पर उन्होंने फाइन आर्ट विभाग डीन प्रो. (डॉ) चित्रलेखा सिंह के निर्देशन में बने मेवाड़ विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग में स्थित विभिन्न संग्रहालयों व आर्ट गैलरी को देखा और अभिभूत हुए। इस अवसर पर फाइन आर्ट विभाग के ब्रांड मैनेजर अमित कुमार चेचानी बताया कि मेवाड़ विश्वविद्यालय फार्मेसी विभाग के डीन डॉ. कौशल के चंद्रूल ने अतिथियों को प्रभाष जोशी गांधी म्यूजियम, गांधी लाईब्रेरी, मेवाड़ म्यूजियम, साइंस म्यूजियम, पेंटिंग विभाग व आर्ट गैलरी का अवलोकन कराया। अतिथियों ने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित प्रभाष जोशी गांधी म्यूजियम वाकई में काबिले तारीफ है। इस म्यूजियम में महात्मा गांधी से जुड़ी हुई अनमोल यादें व जानकारी देखने को मिलती है जिसमें पुराने अख़बार, डाक टिकिट, पेंटिंग व फ़ोटो इत्यादि शामिल हैं। उन्होंने मेवाड़ म्यूजियम को देखकर कहा कि इसमें लगी हुई मेवाड़ घराने के राजा महाराजाओं व रानियों की पेंटिंग बहुत ही आकर्षित करती है व उनकी वीरगाथाओं का वर्णन करती है साथ ही म्यूजियम में स्थित चित्तौड़गढ़ किले का मॉडल को देखकर इसांन रोमांचित हो जाता है। पेंटिंग विभाग के प्राध्यापक कलाकार ओम प्रकाश सालवी ने अतिथियों को आर्ट गैलरी का अवलोकन कराया और आर्ट गैलरी में लगी पेंटिंगों के बारे में जानकारी दी।

तेरे जैसा यार कहां... पुरानी यादों को किया ताज़ा

इस अवसर पर बीएन फार्मेसी उदयपुर के प्रोफेसर (डॉ.) कमल सिंह राठौड़ ने बताया कि मेवाड़ विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग के ब्रांड मैनेजर के रूप में कार्यरत अमित कुमार चेचानी जो कि उनके बचपन से दोस्त रहे हैं। चित्तौड़गढ़ में उन्होंने स्कूली शिक्षा साथ ही अर्जित की और साथ में ही खेले और उदयपुर में भी शिक्षा के दौरान साथ में रहे। उन्होंने अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए संगीत विभाग की ओर रुख किया और उन्होंने अमित से गीत की फरमाइश की। चेचानी द्वारा गाए गीत ÷तेरे जैसा यार कहाँ÷ पर सभी अतिथियों ने आनंद उठाया और झूमने लगे। इस अवसर पर संगीत विभाग के प्राध्यापक व कलाकार हरिओम गंधर्व से केसरिया बालम भी सुना और आनंदित हुए। इस अवसर पर फार्मेसी विभाग प्राध्यापक डॉ गौरव कुमार शर्मा, मंसुरी जी, गोपाल बारठ, व फाइन आर्ट विभाग के प्राध्यापक व स्टॉफ भी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विवि की आर्ट गैलरी व संग्रहालय का अवलोकन

गंगरार, 12 मार्च (जसं.) । मेवाड़ विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल विभाग द्वारा आयोजित एक व्याख्यान कार्यक्रम में लूपिन लिमिटेड के डीजीएम सेल्स डॉ. हेमंत जोशी, बीएन फार्मेसी उदयपुर के प्रो. कमल सिंह राठौड़ सहित अन्य वक्ताओं ने फाइन आर्ट विभाग डीन प्रो. चित्रलेखा सिंह के निर्देशन में बने विश्वविद्यालय के विभिन्न संग्रहालयों व आर्ट गैलरी का अवलोकन किया। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय फार्मेसी विभाग के डीन डॉ. कौशल के चंद्रूल ने अतिथियों को प्रभाष जोशी गांधी म्यूजियम, गांधी लाइब्रेरी, मेवाड़ म्यूजियम, साइंस म्यूजियम, पेंटिंग विभाग व आर्ट गैलरी का अवलोकन कराया। अतिथियों ने इस अवसर पर कहा कि इस म्यूजियम में महात्मा गांधी से जुड़ी हुई अनमोल यादें व जानकारी देखने को मिली हैं, जिसमें पुराने अख़बार, डाक टिकिट, पेंटिंग व फ़ोटो इत्यादि शामिल हैं। उन्होंने मेवाड़ म्यूजियम को देखकर कहा कि इसमें लगी हुई मेवाड़ घराने के राजा महाराजाओं व रानियों की पेंटिंग बहुत ही आकर्षित करती है व उनकी वीरगाथाओं का वर्णन करती हैं। पेंटिंग विभाग के प्राध्यापक कलाकार ओम प्रकाश सालवी ने अतिथियों को आर्ट गैलरी का अवलोकन कराया और आर्ट गैलरी में लगी पेंटिंगों के बारे में जानकारी दी।

मेवाड़ विश्वविद्यालय स्थित म्यूजियम देख अतिथि हुए अभिभूत

आर्ट गैलरी व संग्रहालय रोचक जानकारियों से है भरपूर

ललकार

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल विभाग के द्वारा आयोजित एक व्याख्यान कार्यक्रम में लूपिन लिमिटेड के डीजीएम सेल्स डॉ. हेमंत जोशी, बी. एन. फार्मेसी उदयपुर के प्रो.(डॉ.) कमल सिंह राठौड़ व अन्य वक्ता अतिथि के रूप में पधारे। इस अवसर पर उन्होंने फाइन आर्ट विभाग डीन प्रो. (डॉ) चित्रलेखा सिंह के निर्देशन में बने मेवाड़ विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग में स्थित विभिन्न संग्रहालयों व आर्ट गैलरी को देखा और अभिभूत हुए। इस अवसर पर फाइन आर्ट विभाग के ब्रांड मैनेजर अमित कुमार चेचानी बताया कि मेवाड़ विश्वविद्यालय फार्मेसी विभाग के डीन डॉ. कौशल के चंद्रूल ने अतिथियों को प्रभाष जोशी गांधी म्यूजियम, गांधी लाईब्रेरी, मेवाड़ म्यूजियम, साइंस म्यूजियम, पेंटिंग विभाग व आर्ट गैलरी का अवलोकन कराया। अतिथियों ने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित प्रभाष जोशी गांधी म्यूजियम वाकई में काबिले तारीफ है। इस म्यूजियम में महात्मा गांधी से जुड़ी हुई अनमोल यादें व जानकारी देखने को मिलती है जिसमें पुराने अखबार, डाक टिकिट, पेंटिंग व फ़ोटो इत्यादि शामिल हैं। उन्होंने मेवाड़ म्यूजियम को देखकर कहा कि इसमें लगी हुई मेवाड़ घराने के राजा महाराजाओं व रानियों की पेंटिंग बहुत ही आकर्षित करती है व उनकी वीरगाथाओं का वर्णन करती है साथ ही म्यूजियम में स्थित चित्तौड़गढ़ किले का मॉडल को देखकर इसांन रोमांचित हो जाता है। पेंटिंग विभाग के प्राध्यापक कलाकार ओम प्रकाश सालवी ने अतिथियों को आर्ट गैलरी का अवलोकन कराया और आर्ट गैलरी में लगी पेंटिंगों के बारे में जानकारी दी।

मेवाड़ विश्वविद्यालय स्थित म्यूजियम देख अतिथि हुए अभिभूत

मेवाड़ विश्वविद्यालय की आर्ट गैलरी व संग्रहालय रोचक जानकारियों से है भरपूर

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। दिनांक 11 मार्च शनिवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल विभाग के द्वारा आयोजित एक व्याख्यान कार्यक्रम में लूपिन लिमिटेड के डीजीएम सेल्स डॉ. हेमंत जोशी, बी. एन. फार्मेसी उदयपुर के प्रो.(डॉ.) कमल सिंह राठौड़ व अन्य वक्ता अतिथि के रूप में पधारे। इस अवसर पर उन्होंने फाइन आर्ट विभाग डीन प्रो. (डॉ) चित्रलेखा सिंह के निर्देशन में बने मेवाड़ विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग में स्थित विभिन्न संग्रहालयों व आर्ट गैलरी को देखा और अभिभूत हुए। इस अवसर पर फाइन आर्ट विभाग के ब्रांड मैनेजर अमित कुमार चेचानी बताया कि मेवाड़ विश्वविद्यालय फार्मेसी विभाग के डीन डॉ. कौशल के चंद्रूल ने अतिथियों को प्रभाष जोशी गांधी म्यूजियम, गांधी लाईब्रेरी, मेवाड़ म्यूजियम, साइंस म्यूजियम, पेंटिंग विभाग व आर्ट गैलरी का अवलोकन कराया। अतिथियों ने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित प्रभाष जोशी गांधी म्यूजियम वाकई में काबिले तारीफ है। इस म्यूजियम में महात्मा गांधी से जुड़ी हुई अनमोल यादें व जानकारी देखने को मिलती है जिसमें पुराने अख़बार, डाक टिकिट, पेंटिंग व फ़ोटो इत्यादि शामिल हैं। उन्होंने मेवाड़ म्यूजियम को देखकर कहा कि इसमें लगी हुई मेवाड़ घराने के राजा महाराजाओं व रानियों की पेंटिंग बहुत ही आकर्षित करती है व उनकी वीरगाथाओं का वर्णन करती है साथ ही म्यूजियम में स्थित चित्तौड़गढ़ किले का मॉडल को देखकर इसांन रोमांचित हो जाता है। पेंटिंग विभाग के प्राध्यापक कलाकार ओम प्रकाश सालवी ने अतिथियों को आर्ट गैलरी का अवलोकन कराया और आर्ट गैलरी में लगी पेंटिंगों के बारे में जानकारी दी।

तेरे जैसा यार कहां... पुरानी यादों को किया ताज़ा: इस अवसर पर बीएन फार्मेसी उदयपुर के प्रोफेसर (डॉ.) कमल सिंह राठौड़ ने बताया कि मेवाड़ विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग के ब्रांड मैनेजर के रूप में कार्यरत अमित कुमार चेचानी जो कि उनके बचपन से दोस्त रहे हैं। चित्तौड़गढ़ में उन्होंने स्कूली शिक्षा साथ ही अर्जित की और साथ में ही खेले और उदयपुर में भी शिक्षा के दौरान साथ में रहे। उन्होंने अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए संगीत विभाग की ओर रुख किया और उन्होंने अमित से गीत की फरमाइश की। चेचानी द्वारा गाए गीत ÷तेरे जैसा यार कहाँ÷ पर सभी अतिथियों ने आनंद उठाया और झूमने लगे। इस अवसर पर संगीत विभाग के प्राध्यापक व कलाकार हरिओम गंधर्व से केसरिया बालम भी सुना और आनंदित हुए। इस अवसर पर फार्मेसी विभाग प्राध्यापक डॉ गौरव कुमार शर्मा, मंसुरी जी, गोपाल बारठ, व फाइन आर्ट विभाग के प्राध्यापक व स्टॉफ भी उपस्थित रहे।